सॉविनिर

व्याकरण सरोवर

Text-cum-Workbook

03

TEACHER'S BOOK

सॉविनिर पब्लिशर्स प्रा. लि.

।

व्याकरण सरोवर भाग - 3

अध्याय 1 हमारी भाषा

(क) 1. मौखिक रूप हैं।　　2. लिखित रूप है।

3. हिंदी　　4. देवनागरी

5. बातचीत

(ख) सोना - नहीं　　खाना - नहीं　　गाना - हाँ

पढ़ना - हाँ　　दौड़ना - नहीं

अध्याय 2 वर्णमाला

(क)	स्वर	अ	आ	इ	ई	ऋ	ओ	औ
	व्यंजन	क	ख	ग	घ	च	झ	ट
		द	न	प	भ	म	र	ल
		स	ष	ह				

(ख) औरत　　तरबूज　　जहाज

शलगम　　कमल

थरमस　　ऊन

अध्याय 3 मात्राएँ और शब्द रचना

(क) चिड़िया　　मोर　　पुल

थैला　　मछली　　लौकी

(ख) शंख　　आँख　　पतंग　　बंदर　　साँप

(ग) तरबूज

जहाज

शरीफा

फावड़ा

अध्याय 4 संयुक्ताक्षर

(क) पत्ती बिल्ली गन्ना लस्सी
इल्ली प्रसन्न रस्सी
बस्ता विद्या द्वार अच्छी
अस्त विद्यमान द्वारा मच्छर

(ख) मक्खी - म + क् + खी
हल्दी - ह + ल् + दी
बुद्-धि - बु + द् + धि
गट्-ठर - ग + ट् + ठ + र
डिब्बा - डि + ब +बा

(ग) लट्-टू चम्मच पुस्तक बुड्ढा
गुब्बारा रस्सी मच्छर चिट्-ठी

अध्याय - 5 नाम शब्द

(क)

व्यक्ति	जाति	स्थान	वस्तु	भाव
मोहन	आदमी	दिल्ली	पलंग	सुंदरता
रजनीश	पेड़	ताजमहल	मेज़	भलाई
अर्जुन	हिरन	मुंबई	कलम	बुढ़ापा
	नदी	हवामहल	समोसा	हरियाली

(ख) कुत्ता ---- तितली -------- केला ----
खरगोश ---- पेड़ पर तोता ---- बकरी ----

(ग) सुंदरता सरदी लकड़ी सेब कृष्ण नदी
कमल बुढ़ापा पिता चिड़िया दिल्ली

(घ) फल सब्जियाँ
आम गोभी

बेर	टमाटर
सेब	बैंगन
अनार	करेला
अमरूद	कटहल
	आलू
	मटर

(ङ)पेज 21 से डाले

अध्याय 6 स्त्री-पुरुष

(क) पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
माली	मालिन	नाना	नानी
भाई	बहन	राजा	रानी
बकरा	बकरी	युवक	युवती
मोर	मोरनी		
(ख) दादी	बालिका	चुहिया	बंदरिया
(ग) हाथी	नाना	नौकर	
(घ) मुरगी	बकरी		
चाची	युवती		
चुहिया	बुढ़िया		
शेरनी	रानी		

(ङ) बंदर ---> बंदरिया हिरण ---> हिरणी घोडा ---> घोड़ी

मुर्गा ---> मुर्गी चिड़ा ---> चिड़िया साँप ---> मादा साँप

हंस ---> हंसिनी हाथी ---> हथिनी शेर ---> शेरनी

(च) मछली - स्त्रीलिंग केतली - स्त्रीलिंग कुतुबमीनार - स्त्रीलिंग

शलगम - पुल्लिग कछुआ - पुल्लिग फूल - पुल्लिग

खरगोश - पुल्लिग

अध्याय 7 - एक-अनेक

(क) 1. रात, तितली 2. घोडा, पत्ती, बिल्ली
3. बालक, मिठाई

(ख) 1. चिड़ियाँ, कुत्ते, रास्ते
2. दवाइयाँ, तोते, बालिकाएँ
3. टोपियाँ, थैलियाँ, बातें

(ग) एकवचन - रात मछली चींटी लड़का आँख छात्रा
बहुवचन - रातें मछलियाँ चींटियाँ लड़के आँखे छात्राएँ

(घ) 1. खिलौने 2. कुरता 3. पत्तियाँ 4. गुड़ियाँ

(ङ) टोपी - टोपियाँ गेंद - गेंदें
पुस्तक - पुस्तकें खिलौना - खिलौने

(च) मछली - एकवचन फूल - बहुवचन पंखे - बहुवचन

(छ) तितली - तितलियाँ पत्ती - पत्तियाँ ताला - ताले

अध्याय 8 - मैं, तुम और वह

(क) वह उसे उसने मैं वे उन अपने आप
मुझे उसकी

(ख) तुम दिल्ली से कब लौटे ? मैं दिल्ली घूमने जाउगा।
हम दिल्ली कुतुबमीनार देखने गए ।

(ग)1. तुम , मैं 2. तुम्हारे , मेरे
3. आप , मैं 4. वह , उससे ,वह

(घ) उसके हाथ में गुलदस्ता है । वह गा रही है ।
उसकी बहन रो रही है ।

अध्याय 9 कैसा अथवा कितना

(क) पेड़ हरा - भरा है। अनार मीठा है। सब्जियाँ ताजी हैं।
तितली रंग - बिरंगी है। चाय गरम है। दीवार ऊँची है।

(ख) सुंदर दयालु हँमुख मिलनसार नभ

(ग) मुर्ख बूढ़ा सुंदर
साहसी जवान लाल बुरा
मीठा खटटा नमकीन
नकलची अच्छा चुस्त
बड़ी ऊँची गहरा गरम
सफ़ेद ठंडा

(घ)

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
अच्छा	खिलाडी	सौ	रुपए
पीली	साडी	दयालु	बालक
थोड़ा	पानी	लाल-लाल	टमाटर

(ङ) लंबी सड़क रंग-बिरंगे फूल ठंडा शरबत
साफ़ सड़क सुंदर फूल ताज़ा शरबत

अनेक सब्जियाँ विशाल पेड़
ताज़ी सब्जियाँ हरा पेड़

अध्याय 10 काम का करना या होना

(क) 2. खेल 3. बना रहा 4. पी 5. पढ़

(ख) हँसना रोना झगड़ना दौड़ना सोना
बनाना खींचना कूदना पलना देखना
लिखना पढ़ना नहाना जाना बरसना

(ग) 1. एक बच्चा खिलौनों से खेल रहा है।

2. वह खिलौना कर चला रहा है ।

1. एक लड़का कर चला रहा है ।

2. उसके सामने अनेक किताबें राखी है ।

अध्याय 11 तरह - तरह के शब्द

(क) कमल ----> जलय, नीरज, सरोज

रात ----> रात्रि, निशा, रजनी

हवा ----> वायु, अनिल, पवन

बेटा ----> सुत, पुत्र, आत्मज

घर ----> गृह, आवास, सदन

(ख) आँख, नयन बादल, मेघ वृक्ष, तरु बंदर, कपि

सूर्य , सूरज फूल, पुष्प चंद्रमा, चाँद सर्प, भुजंग

(ग) भूप नाविक अश्व शशांक

पृष्ठ 44

(क) दिन अवगुण

झूठा बाहर

दुश्मन अनेक

रंक बुरा

(ख) काला x सफ़ेद हार x जीत पास x दूर

आगे x पीछे रोना x हँसना गरमी x सरदी

(ग) मोटा x पतला खुशबु x बदबू मीठा x कड़वा

अंदर x बाहर काला x सफ़ेद हँसना x रोना

पृष्ठ 46

(क) 1. पत्ते 2. परिणाम 3.बाल 4. हिस्सा 5. कान

(ख) द्विज ---> पक्षी, चंद्रमा

अंक ---> गोद, गिनती

जग ---> संसार, एक बरतन

चीर ----> वस्त्र, चीरना

गो ----> माता, गाय

(ग) पत्ता - केले का पत्ता बहुत बड़ा होता है।

चिट्-ठी - रामखेलावन गाँव को चिट्-ठी लिख रहा है ।

वस्त्र - ईद के अवसर पर लोग नए वस्त्र पहनते है ।

आकाश - आकाश में काले बादल छाए हैं ।

पृष्ठ 48

(क) 1. ---> डॉक्टर

2. ---> किसान

3. ---> चित्रकार

4. ---> सहपाठी

5. ---> मूर्तिकार

(ख) 1. नकलची 2. सैनिक 3. मांसाहारी

4. जलचर 5. मूर्तिकार

(ग) नाई नर्स अध्यापिका डाकिया

अध्याय 12 - विराम-चिह्न

(क) (।) रोहित आज आगरा जा रहा है । कल विद्यालय बंद रहेगा ।

(?) मार्च में कौन सा त्यौहार आता है ? श्रीनगर किस राज्य की राजधानी है ?

(!) बाप रे ! इतना बड़ा साँप । बहुत खूब ! ऐसे ही आगे बढ़ते रहो ।

(ख) 1. तुम कहाँ जा रहे हो ? 3. हाय ! कुत्ता भर गया ।

2. पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं । 4. बस्ते में क्या रखा है /

5. अरे आप कब आए ? 6. ठंडी हवा बह रही ।

पेज 50 से डालें

अध्याय 13 मुहावरे

(क) आटे में नमक - बहुत कम - आटे में नमक की तरह खाते रहोगे तो किसी को शक नहीं होगा वरना पकड़े जाओगे ।

जूते चाटना - चापलूसी करना - अपनी तरक्की के लिए मोहन मैनेजर साहब के जूते चाटताहै ।

चंपत होना - भाग जाना - देखते -देखते ही चोर घर से साइकिल लेकर चंपत हो गया ।

पौ फटना - सवेरा होना - पौ फटते ही हम यात्रा के लिए निकल पड़ेंगे ।

(ख) कान खाना ---> बहुत सगोर करना दिन फिरना ---> अच्छे दिन आना

जी चुराना ---> मेहनत से बचना उंगली उठाना ---> आरोप लगाना

हाथ मलना ---> पछताना मुँह उतरना ---> उदास होना

(ग) आँखे दिखाना कान का कच्चा होना मुँह उतरना

उल्लू बनाना आग बबूला होना

अध्याय 14 श्रुतभाव - ग्रहण

(1) (i) आम 2. (ii) गुठली 3. (iii) भालू

4. (ii) गुठली को ज़मीन में बोन की

5. (i) गुठली पेड़ बने

6. (i) पेड़ बड़ा होने पर

7. उन्होंने गुठली जमीन में गाड़ गई। जब पौधा निकला तो उसे खाद - पानी और उसकी देखभाल की

8. सैरी गोलू से अधिक समझदार था क्योंकि उसी ने गुठली को जमीन में बोन की सलाह डि ठी जिससे नया पौधा तैयार हो सका ।

1. धन्नो दादी का 2. आम , अनार के 3. गाँव के बच्चे बाग़ में आने लगे

4. अधूरे कामपुरे करवाओ 5. धन्नो दादी के बगीचे की शोभा निराली है । सर्वत्र हरियाली

छाई हुई है।

6. दादी कहती है कि पहले अधूरे काम पुरे करो तभी फल खाने को मिलेंगे ।

7. बगीचा - बाग़ उद्यान उपवन

बच्चा - बालक बाल

8. धन्नो दादी का बगीचा

9. शीर्षक : मेरा प्रिय उद्यान

अध्याय 15 चित्र वर्णन

(1) 1. यह चित्र किसी बगीचे का है ।

2. इसमें दो लड़के दिखाईदे रहे हैं जो सैर करने आए हैं ।

3. पेड़ पर चिड़िया ने सुंदर घोंसला बनाया है ।

4. घोंसले में दो बच्चे अपनी माँ की ओर देख रहे हैं ।

5. चिड़िया भी शायद दाना चुगकर अपने बच्चों को खिलाने आ रखी है ।

(2) 1. यह एक तालाब का दृश्य है ।

2. स्वच्छ ओर साफ़ पानी में रंग - बिरंगी मछलियाँ तैर रही हैं

3. दो बगुले मछलियों को पकड़ने ने लिए तालाब में खड़े हैं ।

4. एक बगुले ने अपनी चोंच में एक मछली दबा रखी है जबकि दूसरा पानी में चोंच डालकर शिकार की तलाश में है ।

5. मछलियाँ इस खतरे से अनजान लग रही हैं ।

(3) 1. यह रात्रि के आकाश का सुंदर दृश्य है ।

2. दादी जी बच्चों को छत पर लेकर दिखा रही हैं ।

3. रात्रि के आकाश में चन्द्रमा और तारे अपनी छटा बिखेर रहे हैं ।

4. आसमान बिल्कुल साफ है ।

5. दादी जी और बच्चे बहुत उत्सुकता से देख रहे हैं ।

अध्याय 16 - वार्तालाप अथवा बातचीत

(1) o कहो मित्र कैसे हो ? पढ़ाई कैसी चल रही है ?

o ठीक हूँ पढ़ाई एकदम बढ़िया चल रही है ।

o अपने स्कूल बहुत बड़ा नहीं है ,पर बहुत स्वच्छ और सुंदर है । यह प्राकृतिक पर्यावरण के मध्य स्थित है । हवा और प्रकाश आने का पूरा प्रबंध है ।

o अध्यापक -अध्यापिका कैसे हैं ?

o सब बहुत ही सरल और विनम्र हैं । हर बात को समझकर सीखते हैं । इसलिए विषय आसानी से समझ में आ जाता है ।

o स्वच्छता अभियान के अंतर्गत स्कूल में क्या किया जाता है ?

o इसके अंतर्गत सभी छात्र और शिक्षक 15 मिंट का समय केवल स्कूल की स्वच्छता की साफ -सफाई में लगाते हैं ।

o धन्यवाद , तुमने मुझे बहुत अच्छी जानकारी दी।

(2)o पिताजी प्रणाम ! मैं रवि बोल रहा हूँ ।

o हाँ बोलो बेटा रवि कैसे हो ?

o मैं ठीक हूँ पिताजी पर इधर माता जी की तबियत कुछ खराब है ।

o अच्छा , क्या हुआ तुम्हारी माता जी को ?

o शायद रक्तचाप बढ़ा हुआ है , इसलिए उन्हें परेशानी हो रही है ।

o तुम उन्हें डॉ. गुप्ता के पास ले जाओ और उनकी जाँच कराओ।

o वह में करा चुका हूँ , पर ज्यादा लाभ नहीं हुआ ।

o चलो , में समय निकलकर एक - दो दिन में पहुँच रहा हूँ । किसी बड़े अस्पताल में दिखता हूँ ।

o ठीक है , पिताजी हम प्रतिक्षा का रहे हैं ।

अध्याय 17 कहानी लेखक

(क) बच्चे बारिश बच्चों दड़बे मेंढ़क बच्चे
बिल्ली बच्चों बच्चे मुर्गी बिल्ली

(ख) स्वयं करें ।

अध्याय 18 - पत्र लेखन

(क)

(ख) पेज 64 से डाले

अध्याय 19 वाक्य लेखन

1. वर्षा ऋतू

1. वर्षा ऋतू का हमारे जीवन में बहुत महत्व है ।
2. भीषण गर्मी के बाद सभी प्राणियों को वर्षा की फुहारों का बेसब्री से इंतजार रहता है ।
3. धरती पर जल का प्रमुख स्रोत वर्षा ही है ।
4. वर्षा ऋतू में सभी पेड़ - पौधे , जीव -जंतु जल की बूँदों का स्वागत करते हैं ।
5. किसान वर्षा होने पर खेती -बाड़ी का कार्य आरंभ कर देते हैं ।
6. वर्षा ऋतू के मध्य में अनेक तीज -त्यौहार मनाए जाते है ।
7. वर्षा ऋतू कवियों के मन में उमंग पैदा कर देती है और उनकी लेखनी स्वतः चल पड़ती है ।
8. वर्षा ऋतू मानव मन में उत्साह और उमंग का संचार करके आलस्य को दूर भगाती है ।

2. उपवन की सैर

1. आधुनिक युग में प्रातः कालीन की सैर बहुत उपयोगी है ।
2. सैर के लिए उपवन या बाग- बगीचा उपयुक्त स्थान है ।
3. उपवन में स्वच्छ और तजा वायु ग्रहण करने से बीमारी दूर रहती है ।
4. यहाँ का प्राकृतिक वातावरण तन -मन को प्रफुल्लित कर देता है ।
5. उपवन का शांत वातावरण हमारे दिमाग को शांति प्रदान करता है ।
6. सैर करते समय दिमाग से सारे तनाव व चिंताएँ दूर रहती हैं ।
7. उपवन या उद्यान में सैर करते हुए हमें वहाँकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
8. जब भी समय मिले हमें उपवन की सैर के लिए अवश्य जाना चाहिए ।

वर्कशीट - 1

(क) मौखिक रूप लिखित रूप मौखिक रूप

(ख) मछली चुहिया मोर कमीज़

(ग) चिड़िया बंदर चंद्रमा मूली

(घ) कमल गेंदा गुलाब

वर्कशीट - 2

(क) किताब बतख खरगोश शलगम मछली चिड़िया

(ख) च्चा ब्बा स्ता द्टू

ड्डा द्-दा क्खी च्छ

ल्ली स्सी न्ना

वर्कशीट - 3

(क) पिता - माता बैल - गाय

राजा - रानी मुरगा - मुरगी

(ख) चाबियाँ पंखे

गुड़ियाँ गुब्बारे

आँखे दवाइयाँ

रातें मछलियाँ

(ग) पत्ती बिल्ली बाग़ दिल्ली नदी

बालक सुंदर बुढ़ापा सपेरा

(घ) सपना तुम कहाँ जा रही हो ? तुम्हें क्या चाहिए ?

मैं घर जा रही हूँ ? रजनी , तुम अब तक नहीं आई ।

मुझे एक कप चाय चाहिए ।

उसे बुला कर लाऊँ ?

वर्कशीट - 4

(क) सुंदर गुलाब मीठे फल नीला बादल

(ख) पीना दौड़ना/खेलना पढ़ना

(ग) सूर्य, रवि नमन, नेत्र सरोज, जलज नौका, तरणी

(घ) रात x दिन पास x दूर खुशबु x बदबू

गुण x अवगुण छोटा x बड़ा

वर्कशीट - 5

(क) मोलू - होने दो। टंकी पूरी भरी है।

गोलू - नहीं! यह बहुत गलत बात है। जल की एक-एक बूँद कीमती है।

मोलू - शायद तुम ठीक कह रहे हो। तुमने आज मेरी आँखे खोलदी।लोगों को पीने का पानी नहीं मिल पाता। पानी के लिए लोग तरसते हैं।

गोलू - कोई बात नहीं। मुझे ख़ुशी है कि तुम मेरी बात समझ गए।

(ख) कमल, शंख पत्ता, समूह पानी, जलना

(ग) कान का कच्चा होना चिकना घड़ा

नाक सिकोड़ना/नाक में दम करना अंगूठा दिखाना

घी के दिये जलाना